कृषि विज्ञान केन्द्र, हस्तिनापुर, मेरठ

क्र0सं0	कार्य विवरण/मद	विस्तृत अन्वेषण
1	नवोन्मेषी का शीर्षक	गन्ने में मशीनीकरण
2	विषय क्षेत्र	गन्ना उत्पादन एवं अन्तःफसली खेती
3	नवोन्मेषी का ब्यौरा	श्री चन्द्रहास राना, ग्राम–जयसिहंपुर, तहसील–मवाना जिला– मेरठ फोन नं0 – 8433462059 उम्र – 60 वर्ष शैक्षिक योग्यता – हाईस्कूल कुल भूमि –27 एकड़
4	समस्या/चुनौती	श्रमिकों की अनुपलब्धता एवं प्रति एकड़ कम आय
5	अभिनव अभ्यास/तकनीक का विवरण	खेती में मशीनीकरण को अपनाते हुये टेंचर, रेटून मैनेजर, मिट्टी चढ़ाने वाली मशीन, कम चौड़ाई के रोटावेटर, हैरो व टिलर का उपयोग किया इसी के साथ गन्ने के साथ उर्द, मूँग एवं सब्जियों की अन्तःफसली खेती को अपनाया।
6	व्यवहारिक उपयोगिता	खेत में की जाने वाली क्रियाओं को मशीनो से समतल किया जिसके फलस्वरूप श्रमिकों की समस्या समाप्त हुयी। गन्ने की बोआई टैंच में करने से पानी की बचत, गन्ने में बधाई की बचत होने के साथ गन्ने के बीच विभिन्न अन्तःफसलों से अतिरिक्त आय प्राप्त हुयी।
7	तकनीक का स्रोत	कृषि विज्ञान केन्द्र, हस्तिनापुर, मेरठ/गन्ना विभाग, मेरठ
8	आर्थिक/लाभांश कृषक नवोन्मेषी/नवोन्मेषी/क्षेत्र/परिवार	तकनीकी उपयोग करते हुये 1200 कु0/है0 की उत्पादकता के साथ गन्ने से रू0 450000 की कुल आय प्राप्त हुयी। इसके अतिरिक्त अन्तःफसलों से रू0 40000 की औसत आय प्रति है0 प्राप्त हुयी। मशीनीकरण के उपयोग से लगभग रू0 30000/है0 की लागत कम हुयी।
9	उपादेयता ग्राहता स्तर, नवोन्मेषी क्षैतिज प्रसार तथा कृषकों में विस्तारकों की संख्या	श्री चन्द्रहास राना को कई सतर पर इनके कार्य के लिये सम्मानित किया गया इनके प्रयासों से प्रोत्साहित होकर अन्य किसानों ने गन्ना की टैंच प्लाटिंग व अन्तःफसली खेती की शुरूवात की । वर्तमान में लगभग 32000 है0 क्षेत्रफल में उक्त तकनीकी को अपनाया जा रहा है।
10	आधार संख्या	2814 8980 3282

सहफसली खेती

टैंच प्लान्टिंग

रैटून मैनेजर

कृषि विज्ञान केन्द्र, हस्तिनापुर, मेरठ

क्र0सं0	कार्य विवरण / मद	विस्तृत अन्वेषण
1	नवोन्मेषी का शीर्षक	गन्ने एवं अन्य फलों के द्वारा सिरका बनाना
2	विषय क्षेत्र	मूल्यवर्धन
3	नवोन्मेषी का ब्यौरा	श्री नरेश सिरोही, ग्राम–झिटकरी, तहसील–सरधना जिला– मेरठ फोन नं0 – 9084593149 उम्र – 55 वर्ष शैक्षिक योग्यता – बी0एस0सी0 (कृषि स्नातक) कुल भूमि –1.25 एकड़
4	समस्या / चुनौती	बेरोजगारी एवं कम आय
5	अभिनव अभ्यास / तकनीक का विवरण	मुख्यतः गन्ने के सिरके के साथ सेव, जामुन सहित 20 प्रकार के सिरके अर्क के साथ जैसे गुलाब, हल्दी, कलौंजी, जीरा आदि का घरेलू स्तर पर उत्पादन करना।
6	व्यवहारिक उपयोगिता	प्रति वर्ष वीगर आफ विपेज के नाम से 50 से 60 टन सिरका तैयार कर आर्यूवेदिक मेडिकल स्टोर, जनरल स्टोर, शहर के होटल व ढाबे पर लगभग 25 जगह 0.5 लीटर एवं 1.0 लीटर की पैकिंग में आपूर्ति करते है। सिरका उत्पादन की कुल लागत रू0 35 से 40 प्रति ली0 आता है और विक्रय मूल्य 100 प्रति ली0 है।
7	तकनीक का स्रोत	कृषि विज्ञान केन्द्र, हस्तिनापुर, मेरठ / दीन दयाल उपाध्याय, राजकीय ग्रामीण विकास संस्थान, लखनऊ
8	आर्थिक / लाभांश कृषक नवोन्मेषी / नवोन्मेषी / क्षेत्र / परिवार	अतिरिक्त शुद्ध आय – रू0 750000 प्रति वर्ष वर्तमान लाभःलागतःअनुपात – 1ः 2.5 GST No. एवं *FSSAI* Lic no. उपलब्ध है।
9	उपादेयता ग्राहता स्तर, नवोन्मेषी क्षैतिज प्रसार तथा कृषकों में विस्तारकों की संख्या	श्री सिरोही से प्रेरित होकर गॉव के अन्य युवा इस कार्य से जुड़ रहे है एवं आसपास के अन्य गॉव में शुरू हो गया है।
10	आधार संख्या	2708 0660 4013

घरेलू स्तर पर सिरका बनाते हुये

विभिन्न प्रकार के सिरके

कृषि विज्ञान केन्द्र, हस्तिनापुर, मेरठ

क्र0सं0	कार्य विवरण/मद	विस्तृत अन्वेषण
1	नवोन्मेषी का शीर्षक	गन्ने के उत्पाद, बासमती चावल की खेती एवं जैविक खेती
2	विषय क्षेत्र	प्रसंस्कृत खाद्य एवं बीज उत्पादन
3	नवोन्मेषी का ब्यौरा	डा0 नीरजा शर्मा (नीर आदर्श आर्गेनिक्स की संस्थापक एवं किसान उत्पादक संघठन की निर्देशक), **पंजीकरण नं0**–U01100UP2021PTC149384 ग्राम–दौलतपुर, तहसील–सरधना जिला– मेरठ फोन नं0 – 9897495175 उम्र – 42 वर्ष शैक्षिक योग्यता – परास्नातक कुल भूमि –0.23 एकड़
4	समस्या/चुनौती	किसानों को रसायनमुक्त खेती करवाना, उपज का सही मूल्य प्राप्त करना, आय बढ़ाना।
5	अभिनव अभ्यास/तकनीक का विवरण	जैविक खेती करना व हानिकारक रसायनों से मुक्त खेती। विभिन्न प्रकार की खादों का उत्पादन। किसानों से उनकी जैविक फसल खरीदकर उसे प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद जैसे जैविक गन्ने से गुड, शक्कर, खांड तैयार कर बाजार में विक्रय करना।
6	व्यवहारिक उपयोगिता	समाज के लिये उच्च गुणवत्ता युक्त पदार्थो का निर्माण करना। विदेश में चावल निर्यात कर विदेशी मुद्रा का अर्जित करना। लघु एवं सीमांत किसानों का खाद्य उत्पाद संगठन बनाकर उनके उत्पादों का विक्रय करना। मशीनीकरण को बढ़ावा देने के लिये किसानों को आधुनिक मशीन उपलब्ध कराना।
7	तकनीक का स्रोत	कृषि विज्ञान केन्द्र, हस्तिनापुर, मेरठ/सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ
8	आर्थिक/लाभांश कृषक नवोन्मेषी /नवोन्मेषी/क्षेत्र/परिवार	किसान एवं ग्राहक दोनो के जीवन स्तर में सुधार, विदेशी मुद्रा का अर्जन अतिरिक्त शुद्ध आय – रू0 एफ0पी0ओ0 के माध्यक से रू0 6000000 का लाभ बासमती धान, गेहूँ, सरसों, मूँग आदि के उच्च गुणवत्ता के बीज उपलब्ध कराना।
9	उपादेयता ग्राहता स्तर, नवोन्मेषी क्षैतिज प्रसार तथा कृषकों में विस्तारकों की संख्या	50 है0 का बासमती क्लस्टर, 813 किसान व उनके परिवार व अन्न किसानों को लाभ मिलना
10	आधार संख्या	5299 7689 2445

गन्ने के उत्पाद

नीर आदर्श आगेनिक्स के विभिन्न उत्पाद

सर्वश्रेष्ठ एफ0पी0ओ0 पुरूस्कार से सम्मानित

कृषि विज्ञान केन्द्र, हस्तिनापुर, मेरठ

क्र0सं0	कार्य विवरण/मद	विस्तृत अन्वेषण
1	नवोन्मेषी का शीषक	बकरी पालन
2	विषय क्षेत्र	पशुपालन/बकरी पालन
3	नवोन्मेषी का ब्यौरा	मो0 साजिद, ग्राम–बातनौर, तहसील–मवाना जिला– मेरठ फोन नं0 – 9410278284 उम्र – 36 वर्ष शैक्षिक योग्यता – एम0ए0 कुल भूमि –0.5 एकड़
4	समस्या/चुनौती	बेरोजगारी एवं ,खेती से कम आय
5	अभिनव अभ्यास/तकनीक का विवरण	मो0 साजिद ने 2 साल पहले बहुत छोटे स्तर (2–3 बकरी) बकरी पालन की शुरूवात की थी अब वह लगभग 40 बकरे एवं बकरियॉ पाल रहे है। यह सब वह वैज्ञानिक विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार कर रहे है एवं इस व्यवसाय को आगे बड़े स्तर पर ले जाना चाहते है।
6	व्यवहारिक उपयोगिता	भारतीय कृषि में पशुपालन के अर्न्तगत बकरी पालन की महत्वपूर्ण भूमिका है। पशुधन में बकरी ही ऐसा पशु है जो कम लागत में तीव्र गति से अधिक लाभ कमाने की क्षमता रखता है । बकरी पालन व्यवसाय कृषि आयोग्य भूमि एवं कम वर्षा वाले क्षेत्रों में भूमिहीन, सीमान्त एवं लघु कृषकों के लिये समान रूप से लाभकारी है।
7	तकनीक का स्रोत	कृषि विज्ञान केन्द्र, हस्तिनापुर, मेरठ
8	आर्थिक/लाभांश कृषक नवोन्मेषी/नवोन्मेषी/क्षेत्र/परिवार	शुद्ध आय – रू0 200000 प्रति वर्ष
9	उपादेयता ग्राहता स्तर, नवोन्मेषी क्षैतिज प्रसार तथा कृषकों में विस्तारकों की संख्या	मो0 साजिद से प्रेरित होकर गॉव के अन्य युवा इस कार्य से जुड़ रहे है और इसकी वजह से आसपास के पशुपालक गाय भैस के अलावा बकरी पालन को अपनी आय का स्रोत बना रहे है।
10	आधार संख्या	9784 3697 7943

बकरी पालन

कृषि विज्ञान केन्द्र, हस्तिनापुर, मेरठ

क्र0सं0	कार्य विवरण / मद	विस्तृत अन्वेषण
1	नवोन्मेषी का शीर्षक	बहुस्तरीय प्राकृतिक खेती (यज्ञ एवं गौ आधारित)
2	विषय क्षेत्र	उद्यान / कृषि विविधीकरण
3	नवोन्मेषी का ब्यौरा	श्री सुनील कुमार (पूर्व सैनिक, पुत्र श्री स्व0 जयपाल सिंह ग्राम व पो0– भमौरी, तहसील–सरधना, जला–मेरठ मोबाइल न.–7830051579, 9149339026 उम्र – 42 वर्ष शैक्षिक योग्यता – एम0ए0बी0एड0 कुल भूमि –6 है0
4	समस्या / चुनौती	कृषि उत्पादकता में पर्यावरण में अनुकूल (Eco-friendly) साधनों एवं गतिविधियों में वृद्धि कर समृद्ध, स्वस्थ नागरिकों का निर्माण एवं सतत विकास का प्रकल्प स्थापित करना।
5	अभिनव अभ्यास / तकनीक का विवरण	गन्ना नीबू, केला, हल्दी आदि लगभग 45 से 40 फसलें एवं औद्यानिक पौधे उगाकर शुद्ध उत्पाद एवं सह उत्पाद वैदिक जैविक कृषि उद्योग रजिस्टर नं0 22723358000642 स्थापित किया गया इसमें गन्ने के विभिन्न उत्पाद फल व सब्जियों एवं अचार ।
6	व्यवहारिक उपयोगिता	10 से 12 परिवारों की सतत आय के साथ साथ पर्यावरण संरक्षण। मिटटी की उर्वरा शक्ति, जल संरक्षण एवं विलुप्त होती प्रजातियों को बचाने, शुद्ध प्रदूषण स्वस्थ्य जीवन, समृष्ट राष्ट्र का निर्माण ।
7	तकनीक का स्रोत	कृषि विज्ञान केन्द्र, हस्तिनापुर, मेरठ
8	आर्थिक / लाभांश कृषक नवोन्मेषी / नवोन्मेषी / क्षेत्र / परिवार	गन्ने के उत्पाद गुड़, शक्कर, राब मूल्य सवंर्धित गुड –325000 अचार– नीवू, आम –150000 सिरका' –125000 सब्जी – 100000 बगीचा(मल्टी लेयर)– आम, अमरूद, केला –450000 **अतिरिक्त शुद्ध आय – रू0 1150000 प्रति वर्ष** **वर्तमान लाभःलागतःअनुपात – 1: 1.35**
9	उपादेयता ग्राहता स्तर, नवोन्मेषी क्षैतिज प्रसार तथा कृषकों में विस्तारकों की संख्या	लाखों लोंगों को शुद्ध प्राकृतिक खाद्रू वस्तुयें पहॅुचाकर एक उपभोक्ता समूह तैयार कर कई कृषकों को प्राकृतिक खेती की तरफ आकृषित करना, र्प्यावरण को सुरक्षित करना, फसल अवशेषों के सदुपयोग करने के लिये जागृत करना।
10	आधार संख्या	7532 8566 7728

गन्ने की प्राकृतिक खेती

मूल्य वर्धित गुड

गाजर का गुड़

कृषि विज्ञान केन्द्र, हस्तिनापुर, मेरठ

क्र0सं0	कार्य विवरण / मद	विस्तृत अन्वेषण
1	नवोन्मेषी का शीर्षक	बहुस्तरीय प्राकृतिक खेती
2	विषय क्षेत्र	उद्यान / कृषि विविधीकरण
3	नवोन्मेषी का ब्यौरा	श्री संजय त्यागी ग्राम व पो0– पॉची, तहसील–खरखौदा, एन0एच0–235 हापुड जिला–मेरठ मोबाइल न.–8193055559 उम्र – 66 वर्ष शैक्षिक योग्यता – बी0एस0सी0 कुल भूमि –1.6 है0
4	समस्या / चुनौती	प्राकृतिक खेती से जहर मुक्त उत्पादन कर रासायनिक खेती से अधिक लाभ कमायें एवं पर्यावरण सुरक्षा व मृदा स्वास्थ्य, मनुष्य का स्वास्थ्य ठीक रहे।
5	अभिनव अभ्यास / तकनीक का विवरण	कृषि विविधीकरण से वर्ष भर अलग अलग उत्पादन कर मल्टी लेयर फार्मिंग कर धान, गेहूँ चना, मूँग, उडद, लहसुन, प्याज, आलू मसूर, गन्ना, अरहर, सेब, चीकू सेब, बादाम, आलू, बुखारा, सन्तरा, मौसमी अनार, नीबू से सतत आय हो रही है।
6	व्यवहारिक उपयोगिता	कृषि विविधीकरण आज की आवश्यकता है विशेष कर छोटे किसानों के लिये बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर होंगे। आय वृद्धि होगी। मृदा उर्वरता तथा भूमि क्षरण की स्थिति में सुधार आर्गेनिक कार्बन की वृद्धि होने से ग्रीन हाउस गैस को सोखने से पर्यावरण में सुधार होता है।
7	तकनीक का स्रोत	कृषि विज्ञान केन्द्र, हस्तिनापुर, मेरठ
8	आर्थिक / लाभांश कृषक नवोन्मेषी / नवोन्मेषी / क्षेत्र / परिवार	प्रति एकड़ क्षेत्रफल में जैविक मसूर, गन्ना, लहसुन, का उत्पादन करते है इस उत्पाद का मूल्य वृद्धि कर दाल, गुड़, शक्कर एवं तेल बनाकर कुल रू0 300000 / की शुद्ध आय प्रति एकड़ प्राप्त करते है।
9	उपादेयता ग्राहता स्तर, नवोन्मेषी क्षैतिज प्रसार तथा कृषकों में विस्तारकों की संख्या	समाज में जैविक उत्पादों के महत्व को समझा जाने लगा है। इन उत्पादों की बिक्री आसानी से हो जाती है। इस पद्धति को देखकर आसपास के किसान प्रोत्साहित हो रहे है। जनपद में 39 कृषकों द्वारा जैविक खेती अपनायी जा रही है।
10	आधार संख्या	8922 8616 4737

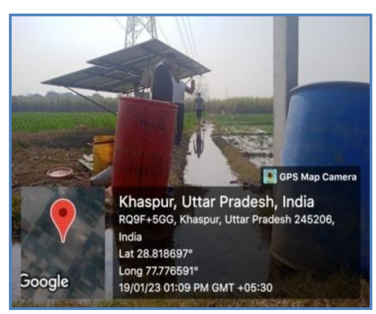

.

कृषि विज्ञान केन्द्र, हस्तिनापुर, मेरठ

क्र0सं0	कार्य विवरण/मद	विस्तृत अन्वेषण
1	नवोन्मेषी का शीर्षक	हल्दी प्रोसेसिंग एवं गन्ना की जैविक खेती
2	विषय क्षेत्र	हल्दी प्रोसेसिंग
3	नवोन्मेषी का ब्यौरा	डा0 अचल किरन पुत्र श्री मंजीत सिंह ग्राम व पो0– अजय बाग (अझौता), लावड़ तहसील–सरधना, ब्लॉक–दौराला जिला–मेरठ मोबाइल न.–9837263781 उम्र – 44 वर्ष शैक्षिक योग्यता – पी0एच0डी0 कुल भूमि –8 एकड़
4	समस्या/चुनौती	भण्डारण की समस्या
5	अभिनव अभ्यास/तकनीक का विवरण	तकनीकी द्वारा उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद तैयार करना तथा उत्पाद प्रोसेसिंग एवं पैकिंग तक पूर्ण रूप से कार्य करना।
6	व्यवहारिक उपयोगिता	भूमि संरक्षण एवं आर्गेनिक फार्मिग का बढ़ावा देना और रासायनिक उर्वरकों का कम उपयोग करना व जैविक खादों का अधिक उपयोग करना।
7	तकनीक का स्रोत	कृषि विज्ञान केन्द्र, हस्तिनापुर, मेरठ
8	आर्थिक/लाभांश कृषक नवोन्मेषी /नवोन्मेषी/क्षेत्र/परिवार	परिवार में रोजगार का अवसर एवं आर्थिक लाभ प्राप्त होता है। **अतिरिक्त शुद्ध आय – रू0 3.50000 प्रति वर्ष**
9	उपादेयता ग्राहता स्तर, नवोन्मेषी क्षैतिज प्रसार तथा कृषकों में विस्तारकों की संख्या	कृषकों को समय समय पर संवाद करना एवं मृदा स्वास्थ्य, उर्वरकों के बारे एवं मृदा परीक्षण के आधार पर खाद एव उवरकों का प्रयोग करना।
10	आधार संख्या	6890 5242 9927

हल्दी प्रसंस्करण एवं पैकेजिंग करते हुये नवोन्मेषी

कृषि विज्ञान केन्द्र, हस्तिनापुर, मेरठ

क्र0सं0	कार्य विवरण / मद	विस्तृत अन्वेषण
1	नवोन्मेषी का शीर्षक	वर्ष भर मशरूम उत्पादन
2	विषय क्षेत्र	कृषि विविधीकरण
3	नवोन्मेषी का ब्यौरा	श्री रक्षित मित्तल ग्राम व पो0– चिदौड़ी खास ब्लॉक–रोहटा जिला–मेरठ मोबाइल न.–8923171861 उम्र – 30 वर्ष शैक्षिक योग्यता – परास्नातक कुल भूमि –1एकड़
4	समस्या / चुनौती	धान–गेहूँ फसल चक्र अपनाकर, वर्ष भर आय अर्जन कर अधिक लाभ प्राप्त करना व घर के अन्य सदस्यों को रोजगार देना।
5	अभिनव अभ्यास / तकनीक का विवरण	श्री रक्षित मितत्तल के पास 1 एकड़ जमीन के साथ धान और गेहूँ की खेती करते थे उन्होंने मशरूम की खेती से आत्म निर्भर बनने की ओर काम किया वह अपने साथ अन्य बेरोजगार युवक एवं महिलाओं को रोजगार देने के अेलावा स्वरोजगार की राह पर चलने के लिये प्रेरित व जागरूक भी कर रहे है। तकनीकी द्वारा उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद तैयार करना तथा उत्पाद प्रोसेसिंग, पैकिंग एवं मार्केटिग तक पूर्ण रूप से कार्य करना।
6	व्यवहारिक उपयोगिता	रक्षित मित्तल ने परास्नातक शिक्षा के बाद प्राइवेट कम्पनी में कार्य करते थे, लेकिन इसे छोड़कर स्वरोजगार की सोच के साथ मशरूम उत्पादन के क्षेत्र में काम करना शुरू किया, मशरूम उत्पादन और बाजारीकरण पर उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्र हस्तिनापुर द्वारा आयोजित शिक्षित बेरोजगार युवकों हेतु सात दिवसीय मशरूम उत्पादन पर एक प्रशिक्षण प्राप्त किया और मशरूम की खेती की शुरूआत की।
7	तकनीक का स्रोत	कृषि विज्ञान केन्द्र, हस्तिनापुर, मेरठ
8	आर्थिक / लाभांश कृषक नवोन्मेषी / नवोन्मेषी / क्षेत्र / परिवार	प्रथम वर्ष उन्होंने लागत के साथ उत्पादन प्राप्त किया लेकिन वर्तमान (तीन वर्ष बाद) उनको लागत के साथ कुल शद्ध लाभ रू0 6 लाख की वार्षिक कमाई करते है।
9	उपादेयता ग्राहता स्तर, नवोन्मेषी क्षैतिज प्रसार तथा कृषकों में विस्तारकों की संख्या	श्री रक्षित मित्तल अपने साथ चार अन्य लोंगों को भी वर्ष भर रोजगार दे रहे है।
10	आधार संख्या	**9908 1869 4452**

वर्ष भर मशरूम उत्पादन

कृषि विज्ञान केन्द्र, हस्तिनापुर, मेरठ

क्र0सं0	कार्य विवरण/मद	विस्तृत अन्वेषण
1	नवोन्मेषी का शीर्षक	गेंदा के साथ सब्जियों की सहफसली खेती
2	विषय क्षेत्र	उद्यान व कृषि विविधीकरण
	नवोन्मेषी का ब्यौरा	श्री सुनील कुमार पुत्र श्री सुमेर सिंह ग्राम व पो0– लावड़ जिला–मेरठ मोबाइल न.–9756833939 उम्र – 38 वर्ष शैक्षिक योग्यता – बी0एस0सी0 कुल भूमि –4 एकड़
4	समस्या/चुनौती	परम्परागत तरीके से खेती द्वारा कम आय
5	अभिनव अभ्यास/तकनीक का विवरण	गेंदा, गुलाब के साथ सब्जियों की सहफसली खेती की तकनीकी जानकारी प्राप्त कर उद्यान में कृषि विविधीकरण से वर्ष भर सब्जी एवं फूलों की खेती से आय में वद्धि की
6	व्यवहारिक उपयोगिता	उद्यान में कृषि विविधीकरण आज की छोटे किसानों के लिये उपयोगी है इसे अपनाकर कृषि प्रणाली में अपने रोजगार के अवसरों में वृद्धि तथा आय सजृन में मदद मिलती है।
7	तकनीक का स्रोत	कृषि विज्ञान केन्द्र, हस्तिनापुर, मेरठ
8	आर्थिक/लाभांश कृषक नवोन्मेषी /नवोन्मेषी/क्षेत्र/परिवार	गेंदा, गुलाब के साथ सब्जियों की सहफसली खेती द्वारा वर्ष भर अतिरिक्त शुद्ध आय रू0 250000 प्राप्त किया
9	उपादेयता ग्राहता स्तर, नवोन्मेषी क्षैतिज प्रसार तथा कृषकों में विस्तारकों की संख्या	इनके द्वारा सब्जियों की बिक्री एवं निवेश व्यवस्था लावड सब्जी प्रोडयूसर कम्पनी लिमिटेड के माध्यम से करते है एवं साथ ही अन्य कृषकों को जोडकर कम्पनी द्वारा उपलब्ध सुविधाओं से लाभान्वित कराते है।
10	आधार संख्या	3817 7063 5474

गेदें की खेती

कद्दूवर्गीय सब्जियों की खेती

सब्जियों की सहफसली की खेती

कृषि विज्ञान केन्द्र, हस्तिनापुर, मेरठ

क्र0सं0	कार्य विवरण/मद	विस्तृत अन्वेषण
1	नवोन्मेषी का शीषक	बासमती धान उत्पादन
2	विषय क्षेत्र	फसल उत्पादन (बासमती धान)
3	नवोन्मेषी का ब्यौरा	श्री विनोद कुमार सैनी ग्राम व पो0– कुशावली, सरधना जिला–मेरठ मोबाइल न.–9719477170 उम्र – 47 वर्ष शैक्षिक योग्यता – एम0एस0सी0 कुल भूमि –5 है0
4	समस्या/चुनौती	प्रति है0 क्षे.0 से कम आय
5	अभिनव अभ्यास/तकनीक का विवरण	श्री विनोद सैनी एक शिक्षित किसान है इन्होने अपनी खेती को वैज्ञानिक तकनीक से करना शुरू किया । इनके क्षेत्र में सामान्य धान अधिक क्षेत्रफल में होता है। इन्होंने इस समान्य धान की फसल को बदलकर वैज्ञानिक तकनीक से बासमती धान उत्पादन करना शुरू किया और कृषक उत्पादक संगठन बनाकर लगभग 500 कृषकों को अपने साथ जोड़कर उन्न्त तकनीकी से बासमती धान का उत्पादन शुरू किया । इन्होंने एपिडा के सहयोग से उत्पादित धान का निर्यात भी प्रारंभ किया है एवं साथ ही साथ बीजोत्पादन करके आस पास के किसानों को उच्च गुणवत्ता वाला बीज उपलब्ध करा रहे है।
6	व्यवहारिक उपयोगिता	देश ही नही अपितु देश के बाहर भी गुणवत्ता युक्त बासमती धान की मॉग लगातार बढ़ रही है। बासमती धान उत्पादन से जुड़कर किसान अधिक लाभ प्राप्त सकते है। इसी को ध्यान में रखते हुये अपने साथ अन्य कृषकों को भी जोड़कर इस लाभकारी व्यवसाय में भागीदार बनाया।
7	तकनीक का स्रोत	कृषि विज्ञान केन्द्र, हस्तिनापुर, मेरठ/बासमती निर्यात विकास फाउडेशन
8	आर्थिक/लाभांश कृषक नवोन्मेषी /नवोन्मेषी/क्षेत्र/परिवार	तकनीकी रूप से बासमती धान उत्पादन से रू0 98500/है0 का शुद्ध लाभ प्राप्त करने के साथ ही कृषि विविधीकरण को भी अपनाया हुआ है।
9	उपादेयता ग्राहता स्तर, नवोन्मेषी क्षैतिज प्रसार तथा कृषकों में विस्तारकों की संख्या	कृषक उत्पादक संगठन का गठन करके ये 500 कृषकों को अपने साथ जोड़ने का कार्य कर रहे है एवं साथ ही साथ उनकों तकनीकी उपलब्धता एवं कृषि आदान उपलब्ध कराने में भी सहायता कर रहे है। इनके इस प्रयास हेतु उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा भी सम्मानित किया गया है।
10	आधार संख्या	4206 4498 6412

बासमती धान उत्पादन